DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS--DATED----------------------

दैनिक जागरण | 5
www.jagran.com नई दिल्ली, 18 मई, 2022

सड़कों के किनारे हरियाली बढ़ेगी, जिला स्तरीय टास्क फोर्स का किया गया गठन

- पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की
- धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी एजेंसियों को 15 दिनों के अंदर रिपोर्ट देने को भी कहा गया

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली सरकार ने सड़कों के किनारे हरियाली बढ़ाने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया है। जिला स्तरीय यह टास्क फोर्स सड़कों के अधिकार क्षेत्र और रखरखाव से जुड़ी सभी एजेंसियों के साथ तालमेल बनाकर उनके किनारे हरियाली में इजाफा करेगी, ताकि वाहनों के चलते होने वाले प्रदूषण को कम किया जा सके।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को दिल्ली की सड़कों को हरा-भरा बनाने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ बैठक की। बैठक में वन विभाग, पीडब्ल्यूडी, डीएसआइआइडीसी, दिल्ली के निगम एवं सड़कों के रखरखाव से जुड़ी अन्य एजेंसियों के उच्च अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में धूल प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए सभी एजेंसियों को 15 दिनों के अंदर रिपोर्ट देने को कहा गया है कि कैसे सड़कों के किनारे की हरियाली बढ़ाई जा सकती है।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि सड़कों के अधिकार और रखरखाव से जुड़ी सभी एजेंसियां अपनी सड़कों पर हरित क्षेत्र की उपलब्धता का निरीक्षण करेंगी। साथ ही रोड मैपिंग के जरिए पता लगाया जाएगा कि किस क्षेत्र में कितना और किस तरह का हरित क्षेत्र मौजूद है। इसे बेहतर और खराब दो वर्गों में विभाजित कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही उन जगहों की भी मैपिंग की जानी चाहिए, जहां हरित क्षेत्र न के बराबर है। इस तरह की रोड मैपिंग के जरिये एक एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। इसके अनुसार ही आगे पौधरोपण और हरित क्षेत्र बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि सड़कों के किनारे हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए एक केंद्रीय निगरानी टीम का भी गठन किया गया है। इसमें पीडब्ल्यूडी, एनडीपीएल, जल बोर्ड, बीएसईएस आदि के अधिकारी शामिल होंगे। यह टीम इस पूरे कार्य की निगरानी करेगी, ताकि दिल्ली की सड़कों को तेजी से हरा भरा बनाया जा सके।

दिल्ली में ऐसी जगहों की तलाश भी की जा रही है, जहां पौधारोपण अभियान चलाया जा सके। हाल ही में पर्यावरण विभाग की एक बैठक में डीडीए ने विकास कार्यों के चलते काटे गए एक पेड़ के बदले में दस पौधे लगाने की बाध्यता खत्म कर दो पौधे लगाने का प्रस्ताव किया था। इसके पीछे जमीन की कम उपलब्धता को कारण बताया गया था। पर्यावरण विभाग ने वन विभाग को कहा कि डीडीए के पास उपलब्ध जमीनों का पूरा विवरण लिया जाए, ताकि विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा सके।

सड़कों के किनारे हरियाली बढ़ाने के लिए सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेते पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ● सौजन्य : दिल्ली सरकार

हिन्दुस्तान

सड़क किनारे हरियाली बढ़ाने की हो रही तैयारी

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली सरकार ने सड़कों को ज्यादा हरा भरा बनाने के लिए कार्यबल का गठन किया है। जिला स्तर पर गठित ये कार्यबल सड़कों के अधिकार क्षेत्र और रखरखाव से जुड़ी सभी एजेंसियों के साथ तालमेल बनाकर उनके किनारे हरियाली में इजाफा करेगा, ताकि वाहनों के चलते होने वाले प्रदूषण को कम किया जा सके।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को दिल्ली की सड़कों को हरा भरा बनाने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ बैठक की। बैठक में वन विभाग, पीडब्ल्यूडी, डीएसआईआईडीसी, दिल्ली के निगम व सड़कों के रख रखाव से जुड़ी अन्य एजेंसियों के उच्च अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान दिल्ली की सड़कों के किनारे हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए जिला स्तरीय कार्यबल का गठन करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी एजेंसियों को 15 दिनों के अंदर रिपोर्ट देने को कहा गया है कि कैसे सड़कों के किनारे की हरियाली बढ़ाई जा सकती है।

पौधरोपण के लिए तलाशी जा रही जगह

दिल्ली में ऐसी जगहों की तलाश भी की जा रही है, जहां पौधरोपण अभियान चलाया जा सके। हाल ही में पर्यावरण विभाग की एक बैठक में डीडीए ने विकास कार्यों के चलते काटे गए एक पेड़ के बदले में दस पेड़ लगाने की बाध्यता खत्म कर दो पेड़ लगाने का प्रस्ताव किया था। इसके पीछे जमीन की उपलब्धता को कारण बताया गया था। इस पर पर्यावरण विभाग ने वन विभाग को कहा कि डीडीए के पास उपलब्ध जमीनों का पूरा विवरण लिया जाए, ताकि विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा सके।

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि प्रदूषण पर बने समर एक्शन प्लान के 14 बिंदुओं में सड़कों के किनारे हरित क्षेत्र में इजाफा भी एक प्रमुख बिन्दु के तौर पर शामिल है। उन्होंने कहा कि सड़कों के अधिकार और रखरखाव से जुड़ी एजेंसियां अपनी सड़कों पर हरित क्षेत्र की उपलब्धता का निरीक्षण करेंगी। साथ ही पता लगाया जाएगा कि किस क्षेत्र में कितना हरित क्षेत्र मौजूद है।

हरित क्षेत्र बढ़ाने की निगरानी होगी

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि सड़कों के किनारे हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए एक केन्द्रीय निगरानी टीम का भी गठन किया गया है। इसमें पीडब्ल्यूडी, एनडीपीएल, दिल्ली जल बोर्ड, बीएसईएस आदि के अधिकारी शामिल होंगे। यह टीम इस पूरे कार्य की निगरानी करेगी, ताकि दिल्ली की सड़कों को तेजी से हरा भरा बनाया जा सके। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि प्रदूषण की रोकथाम में यह कदम महत्वपूर्ण साबित होंगे।